

09

2014
August
Saturday

32 • 221-144

07

July 2014

08

August 2014

wk	M	T	W	T	F	S	S	wk	M	T	W	T	F	S	S
27		1	2	3	4	5	6	31	4	5	6	7	8	9	10
28	7	8	9	10	11	12	13	31	14	15	16	17	18	19	20
29	14	15	16	17	18	19	20	31	21	22	23	24	25	26	27
30	21	22	23	24	25	26	27	31	28	29	30	31			
31	28	29	30	31				31	28	29	30	31			

B. Ed 2nd year
Course 11NEEDS OF Health Education09.00
Meaning of Health Education →10.00
11.00
12.00
A/c to W.H.O = Health Education is concerned with imparting knowledge to the people about the principle of hygiene.

01.00 स्वास्थ्य शिक्षा लोगों को स्वास्थ्य के नियमों से परिचित करा देता है जिससे वे अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दे सकें। शारीरिक स्वास्थ्य तथा मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा और विकास में स्वास्थ्य शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसके द्वारा हम अपने दैनिक जीवन में स्वास्थ्य सम्बंधी अनेक नियमों को जानते हैं और वे सारे नियम स्वयं पर, विद्यालय पर और समाज पर लागू करके स्वयं का, समाज का अपना राएट का विकास करते हैं।

02.00

03.00

04.00

05.00

06.00

07.00

10 Sunday

Notes

हमारे देशों की रोगों से बचाना, उनके स्वास्थ्य में वृद्धि करना, विद्यालय के वातावरण को स्वच्छ बनाना आदि विषय स्वास्थ्य शिक्षा के अन्दर आते हैं।

wk	M	T	W	T	F	S	S	wk	M	T	W	T	F	S	S
27		1	2	3	4	5	6	31					1	2	3
28	7	8	9	10	11	12	13	32	4	5	6	7	8	9	10
29	14	15	16	17	18	19	20	33	11	12	13	14	15	16	17
30	21	22	23	24	25	26	27	34	18	19	20	21	22	23	24
31	28	29	30	31				35	25	26	27	28	29	30	31

देश. चाहिए सभी विद्यालय के छात्रों को स्वास्थ्य उत्पन्न बना रहेगा

Health Education in School

बच्चों के स्वास्थ्य के लिए विद्यालय बहुत बड़ी भूमिका अदा करता है। ऐसा समझा गया है कि स्वस्थ शरीर में ही ~~सम~~ स्वस्थ मजिदक का निवास होता है। अगर बच्चों का स्वास्थ्य ठीक रहेगा तब ही बच्चे का मानसिक विकास, सामाजिक विकास और मानसिक विकास होगा और सभी बालक स्वस्थ व सुंदर जीवन जी सकेंगे।

इसी लिए विद्यालय का दायित्व स्वास्थ्य को रखा गया है। यह है कि छात्रों का स्वास्थ्य उत्पन्न होगा तब ही उनकी mental capacity विकसित होगी। स्वास्थ्य उत्पन्न वही रहने से बच्चों का शारीरिक विकास में बाधा पड़ेगी ही उनका बौद्धिक और नैतिक विकास भी रुक जाएगा छात्र की आयु ही बढ़ेगी लेकिन उन

सुझाती है जब बालक की स्वास्थ्य की
रक्षा अभिभावक, और शिक्षक मिल कर
करें, तब ही बालक समाज का प्रभाव
शाली अंग बन सकता है। अर्थात्
स्वास्थ्य शिक्षा न केवल बालक से ही
जो विद्यालय में शिक्षण प्राप्त कर रहा है
सम्बंध्य, रखती है, बल्कि, शिक्षक से
भी संबंध्य रखती है जो शिक्षण क्रिया
का महत्व पूर्ण साधन है।

September 2014							October 2014						
sk	M	T	W	T	F	S	sk	M	T	W	T	F	S
16	1	2	3	4	5	6	40	1	2	3	4	5	
17	8	9	10	11	12	13	41	6	7	8	9	10	11
18	15	16	17	18	19	20	42	13	14	15	16	17	18
19	22	23	24	25	26	27	43	20	21	22	23	24	25
20	29	30					44	27	28	29	30	31	

अधिकतर के गुण कम हो जाते हैं और
जाएंगे और होना अपना सामाजिक और
नैतिक कर्तव्य नहीं निभा सकेंगे।

Importance of health in life →

आधुनिक युग में बालक के शारीरिक या
मानसिक विकास पर ध्यान नहीं दिया जाता
क्योंकि बालक के सर्वांगीण विकास
की बात की जाती है और सर्वांगीण
विकास बिना स्वास्थ्य शिक्षा दिए नहीं
आ सकता है। बच्चे को स्वास्थ्य क्षेत्रों
के वर्तमान तथा भावी परक जीवन
दोनों के विचार से महत्वपूर्ण है कि वह
शरीर के सहज के परक होना पर
वे अपनी आर्थिक, सामाजिक और
नैतिक जिम्मेदारियां नहीं निभा पाएंगे।
बालक की स्वास्थ्य शिक्षा का दायित्व
केवल उनके अभिभावक पर छोड़ देने
से बालक के मानसिक विकास में
बाधा उत्पन्न हो सकती है इसलिए
विद्यालय और शिक्षा की भूमिका
बहुत अधिक है इस प्रकार शिक्षा
के सभी उद्देश्यों की पूर्ति तथा हो

M	T	W	T	F	S	S	40	1	2	3	4	5		
1	2	3	4	5	6	7	41	6	7	8	9	10	11	12
8	9	10	11	12	13	14	42	13	14	15	16	17	18	19
15	16	17	18	19	20	21	43	20	21	22	23	24	25	26
22	23	24	25	26	27	28	44	27	28	29	30	31		
29	30													

इस प्रकार स्वास्थ्य शिक्षा के अंतर्गत विभिन्न विषयों को सम्मिलित किया जा सकता है

1. विद्यालय भवन की सफाई
 2. विद्यालय के निकट का वातावरण
 3. प्रकाश तथा वायु का प्रबंध
 4. जल की व्यवस्था
 5. छात्रों के बैठने के लिए फर्नीचर की समुचित व्यवस्था
 6. छात्रों का व्यक्तिगत स्वास्थ्य
 7. छात्रों का शारीरिक दोष तथा सांघौषटिक मौजन पर ध्यान दिया जाना
 8. संक्रामक रोग तथा उसके उपर नियंत्रण
 9. विद्यालय में खेल कूद तथा स्वास्थ्य मनोरंजन की समुचित व्यवस्था करना
- विद्यालय तथा शिक्षकों को उल्लेखित विन्दुओं पर समुचित ध्यान